नितिन बोरगांवकर

अभिनय के महारथी और शिकागो के पेगासस प्लेयर्स ग्रुप के सदस्य अमेरिका के रेजीनल्ड वुड्स और जैसन विल्सन ने मुंबई विश्वविद्यालय की एकेडमी ऑफ़ थियेटर आर्ट्स में 15 अगस्त को एक कार्यशाला आयोजित की। इस नाट्य सूह ने चेन्नई, कोलकाता और नई दिल्ली में भी अपनी प्रस्तुतियों के जरिये दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इन्होंने गीत-संगीत के जरिये अमेरिका के नागरिक अधिकार आंदोलन के शुरुआती क्षणों से जुड़ी प्रस्तुति ''माई सॉल इज विटनेस'' का मंचन किया। यह नाटक नस्लवाद और दमन का सामना करने के लिए अहिंसक प्रतिरोध की भारत और अमेरिका की साझा विरासत पर रोशनी डालता है।

सुप्रिया सिंह

फुलब्राइट स्कॉलर जैसन फल्ट्स मार्च से भारत में हैं। वह ग्रीन कम्यूनिटिज मैन्युअल तैयार करने के लिए विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र के साथ काम कर रहे हैं। इस मैन्युअल से किसी इलाके में रहने वालों को यह जानने में मदद मिलती है कि उनके घर, दुकानें, उद्योग और मनोरंजन गतिविधियां किस तरह स्थानीय पारिस्थितिकी को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने एक कार्यशाला ''हरित गांवों की ओर'' में भी भागीदारी की। इसे विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र के प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और आजीविका इकाई द्वारा प्रायोजित किया गया था। यह इकाई जल संचयन, खेती और वानिकी प्रबंधन पर निगाह रखती है। http://www.fulbright-india.org/

समाचार गुलदस्ता

आर.एस.जे. धामस

हैदराबाद, आंध्र प्रदेश के निज़ाम क्लब में 23 अगस्त को उर्दू के 50 वरिष्ठ पत्रकारों और शिक्षाविदों ने ''बहुसांस्कृतिक समाज'' में मीडिया की भूमिका विषय पर चर्चा की। इसमें भाग लेने वालों में (बाएं से) उर्दू स्पैन के संपादक अंजुम नईम, अमेरिकी कांसुलेट, चेन्नई में डिप्टी पब्लिक अफ़ेयर्स ऑफ़िसर रागिनी गुप्ता, और नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास के पब्लिक अफ़ेयर्स विभाग में उर्दू संपादक सैयद ज़फर हसन शामिल थे।

रमेश एस. जैन

लिंकन सेंटर के 2006-2007 रिद्म रोड टूर्स के चार जैज़ संगीत सितारों ने कोलकाता, कोच्चि, अहमदाबाद, मुंबई और आखिर में लखनऊ में कार्यक्रम प्रस्तुत किए। लखनऊ में वे 25 अगस्त से 7 सितंबर तक चले अमेरिका डेज़ कार्यक्रमों का प्रमुख आकर्षण थे। लखनऊ में 6 सितंबर को ताज रेजीडेंसी में हुए कार्यक्रम में पियानो पर अली यामीन, बेस पर एरि रोलैंड, तुरही पर चार्ली पोर्टर और ढोलक पर एल्विन एटकिन्सन, जू. दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका डेज़ कार्यक्रम के तहत अमेरिका-भारत संबंधों के 60 साल के सफर का जश्न मनाया गया। इस दौरान जनता के स्तर पर संपर्क को बढ़ावा और अमेरिकी समाज के सकारात्मक पक्ष पर जानकारी के अलावा भारत में अमेरिकी कार्यक्रमों पर भी जानकारी दी गई। इनमें अमेरिकी लाइब्रेरी में उपलब्ध सेवाएं, यूसेफ़ी द्वारा छात्रों को जानकारी, वीज़ा और स्पैन शामिल हैं।

कोलकाता स्थित अमेरिकी सेंटर के निदेशक डगलस जी. केली ने लालगोला सुधार गृह में अपनी पत्नी के साथ रहने वाले और चमड़े के बटुए और बैग बनाने वाले एक कैदी नबाकुमार हजरा से एक बटुआ खरीदा। हजरा इन बटुओं को स्थानीय बाज़ार में बेचता है। केली पश्चिमी बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के इस खुले परिसर में 19वीं सदी के मुख्य दरवाज़े, दो मंदिरों और एक गेस्टहाउस को देखने गए थे। इनका अमेरिकी राजदूत के सांस्कृतिक संरक्षण कोष से मिली मदद के जरिये पुनरोद्धार हो रहा है। सुधार गृह में रखे गए मज़दूरों को संरक्षण कार्य में प्रशिक्षित किया जाएगा।

रफ़ीक अनवर